

Padma Shri



SMT. MOIRANGTHEM MUKTAMANI DEVI

Smt. Moirangthem Muktamani Devi is the founder and proprietor of Mukta Shoes Pvt Ltd, Kakching, Manipur. She is widely known for her woolen knitted shoes. She has employed many people in her shoes industry and has been promoting this craft by imparting training to the youth of India. So far, she has trained more than 2000 men and women.

2. Born on 15th December 1960, Smt Muktamani, daughter of a farmer studied up to class XII. Necessity was definitely the mother of innovation and invention as far as she was concerned. 30 years ago, when her daughter's school shoes were torn, she could not afford to buy a pair of new shoes. She knitted her daughter's torn shoes with old woolen threads. Her daughter happily wore the knitted shoes and went to school. After seeing the new type of shoes, teachers of the school started placing order. It was then that she struck upon the idea of knitting woolen shoes with woolen threads and hard soles. Today she is the proprietor of Mukta shoes Pvt. Ltd.

3. Smt. Muktamani who had started the entrepreneurship of making and selling of knitted woolen shoes from 1991, founded the Mukta knitted shoes Pvt. Ltd. in 1993. She has exported her knitted shoes to many foreign countries like Australia, South Korea, New Zealand, Japan and Dubai. She received orders from countries like UK, France, and Mexico etc.

4. Smt. Muktamani has imparted training to many men and women under Entrepreneurship Development Programme (1993) organized by North Eastern Industry Consultants Ltd. Imphal; Training Programme of Business & Export Mgt (2002); Short Term Technical training in Knitted Footwear Fabrication at Central leather research institute (Chennai 2001 -2002); Entrepreneurship Development and Ethnic Design in Leather sector at Imphal (2002); Entrepreneurship Skill Development Program of Woolen shoe Making organized by MSME 2009; 6 month Skill Upgradation Training Program on shoe making, Manipur, 2009; Enterprise Development training Programme for Winner of the Citi Micro Entrepreneur awards Organized at EDI Campus Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmadabad by Citi Micro Entrepreneur.

5. Smt. Muktamani is the recipient of several awards and honours like True Legends awards in 2018 by National Insurance & Telegraph; Vasundhara award for North East Women Entrepreneurs (2013-14); Vasundhara Award for Manipur Women Entrepreneurship (2013-14); National Award Micro small & Medium Enterprises (2008), Citi Group Micro Entrepreneurs National Award 2006; Master Craftsperson award of the year 2008-2009 and 1996 by the Directorate of Commerce and Industries, Government of Manipur etc.

पद्म श्री



श्रीमती मोइरांथेम मुक्तामणि देवी

श्रीमती मोइरांथेम मुक्तामणि देवी मुक्ता शूज़ प्राइवेट लि., काकचिंग, मणिपुर की संस्थापक और स्वामी हैं। वे अपने बुने हुए ऊनी जूतों के लिए बहुत प्रसिद्ध हैं। उन्होंने अपने जूता उद्योग में बहुत से लोगों को रोजगार दिया है और भारत के युवाओं को प्रशिक्षण देकर इस शिल्प को बढ़ावा दे रही हैं। वे अब तक 2000 से ज्यादा पुरुषों और महिलाओं को प्रशिक्षित कर चुकी हैं।

2. 15 दिसंबर 1960 को जन्मी, एक किसान की बेटी, श्रीमती मुक्तामणि ने बारहवीं कक्षा तक पढ़ाई की। जहां तक उनकी बात थी, आवश्यकता निश्चित रूप से नवाचार और आविष्कार की जननी थी। 30 साल पहले, जब उनकी बेटी के स्कूल के जूते फट गए, तो उनके पास एक जोड़ी नए जूते खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। उन्होंने अपनी बेटी के फटे जूतों को पुराने ऊनी धागों से बुन दिया। उनकी बेटी खुशी-खुशी बुने हुए जूते पहन कर स्कूल चली गई। नए तरह के जूते देखकर स्कूल के शिक्षकों ने ऑर्डर देना शुरू कर दिया। तभी उनके मन में ऊनी धागों और हार्ड सोल्स से ऊनी जूते बुनने का विचार आया। आज वे मुक्ता शूज़ प्राइवेट लिमिटेड की मालिक हैं।

3. 1991 में बुने हुए ऊनी जूते बनाने और बेचने का उद्यम शुरू करने वाली श्रीमती मुक्तामणि ने 1993 में मुक्ता निटेड शूज़ प्रा. लि. की स्थापना की। उन्होंने अपने बने हुए जूते ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड, जापान और दुबई जैसे कई देशों में निर्यात किए हैं। उन्हें यूके, फ्रांस और मैक्सिको आदि देशों से ऑर्डर मिले।

4. श्रीमती मुक्तामणि ने नॉर्थ ईस्टर्न इंडस्ट्री कंसल्टेंट्स लिमिटेड, इम्फाल द्वारा आयोजित उद्यमिता विकास कार्यक्रम (1993); व्यापार और निर्यात प्रबंधन के प्रशिक्षण कार्यक्रम (2002); केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान चेन्नई (2001–2002) में निटेड फुटवियर निर्माण में अल्पकालिक तकनीकी प्रशिक्षण; इम्फाल में चमड़ा क्षेत्र में उद्यमिता विकास और एथनिक डिजाइन (2002); एमएसएमई द्वारा आयोजित ऊनी जूते बनाने का उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रम 2009; जूता निर्माण में 6 महीने का कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम, मणिपुर, 2009; सिटी माइक्रो एंटरप्रेन्योर द्वारा ईडीआई कैंपस एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, अहमदाबाद में आयोजित सिटी माइक्रो एंटरप्रेन्योर अवाडर्स के विजेता के लिए एंटरप्राइज डेवलपमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम में बहुत से पुरुषों और महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया है।

5. श्रीमती मुक्तामणि को बहुत से पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हो चुके हैं, जैसे नेशनल इंश्योरेंस एंड टेलीग्राफ द्वारा 2018 में टू लीजेंड्स अवाडर्स; पूर्वोत्तर की महिला उद्यमियों के लिए वसुंधरा पुरस्कार (2013–14); मणिपुर महिला उद्यमिता के लिए वसुंधरा पुरस्कार (2013–14); सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम राष्ट्रीय पुरस्कार (2008); सिटी समूह सूक्ष्म उद्यमी राष्ट्रीय पुरस्कार 2006; वाणिज्य और उद्योग निदेशालय, मणिपुर सरकार द्वारा वर्ष 2008–2009 और 1996 का मास्टर शिल्पकार पुरस्कार आदि।